नवभारत
संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी

भारत का संतुलित लेकिन दृढ़ संदेश

संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80 वें अधिवेशन में भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर का भाषण भारत की बदलती अंतरराष्ट्रीय भूमिका और आत्मविश्वास का प्रतीक बनकर उभरा. यह संबोधन केवल कूटनीतिक औपचारिकता नहीं था, बल्कि उस भारत का घोषणापत्र था जो अब वैश्विक मंच पर श्रोता नहीं, बल्कि नीति-निर्माता और निर्णायक भागीदार बनना चाहता है.

जयशंकर ने अपने भाषण में स्पष्ट कहा कि आज की बहुध्रुवीय दुनिया में संयुक्त राष्ट्र की संरचना पुरानी हो चुकी है. सुरक्षा परिषद का ढांचा 1945 का है, जबकि दुनिया 2025 में पहुंच चुकी है. ऐसे में भारत सहित एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका की उपेक्षा अब अस्वीकार्य है.भारत ने यह तर्क पेश किया कि जब वह जी-20 में नेतृत्वकारी भूमिका निभा सकता है, तो उसे संयुक्त राष्ट्र की निर्णय प्रक्रिया से बाहर रखना वैश्विक लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों के खिलाफ है. यह संदेश उन देशों के लिए चेतावनी भी था जो सुधारों की बात तो करते हैं, लेकिन पहल से कतराते हैं.

विदेश मंत्री ने भारत के 'वसुधैव कुटुंबकम्' और 'ग्लोबल साउथ' की आवाज़ बनने की भूमिका को रेखांकित किया. अफ्रीकी यूनियन को जी-20 में शामिल कराने की पहल इसका उदाहरण है. इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शांति, समुद्री सुरक्षा और आतंकवाद के खिलाफ साझा मोर्चे पर भारत ने अपनी प्राथमिकता स्पष्ट की. खासकर आतंकवाद पर जयशंकर ने कहा कि कोई भी राजनीतिक या वैचारिक कारण निर्दोषों की हत्या को वैध नहीं बना सकता. यह पाकिस्तान और उसके संरक्षकों को सीधा संदेश था. दरअसल, भाषण की सबसे बड़ी ताकत इसका संतुलन था. रूस-यूक्रेन युद्ध हो या इजरायल-फलस्तीन संघर्ष, भारत ने किसी पक्षधरता से बचते हुए संवाद और कूटनीति को ही समाधान बताया.भारत ने यह भी याद दिलाया कि मानवता का संकट सिर्फ युद्ध तक सीमित नहीं है—जलवायु परिवर्तन, खाद्य असुरक्षा और गरीबी भी उतने ही गंभीर खतरे हैं. यह दृष्टिकोण विकासशील देशों के लिए उम्मीद और पश्चिमी शक्तियों के लिए आत्ममंथन का संदेश था. पिछले कुछ वर्षों में भारत ने वैश्विक संकटों में 'समस्या का हिस्सा' नहीं बल्कि 'समाधान का हिस्सा' बनने की नीति अपनाई है. कोविड वैक्सीन आपूर्ति, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर का अनुभव साझा करना और जी-20 की सफल मेजबानी इस छवि को मजबूत करते हैं. संयुक्त राष्ट्र में जयशंकर का भाषण उसी रुझान को आगे बढ़ाता है—एक जिम्मेदार शक्ति के रूप में भारत की पहचान.

कुल मिलाकर 80 वें अधिवेशन में भारत की आवाज़ आत्मविश्वास से भरी और रचनात्मक रही. यह भाषण उस नए अध्याय का संकेत है जिसमें भारत न केवल अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करता है बल्कि वैश्विक चुनौतियों के समाधान में भी नेतृत्वकारी भूमिका निभाने को तैयार है. अब सवाल यह है कि क्या विश्व समुदाय भारत की इन स्पष्ट मांगों को केवल सुनकर तालियाँ बजाएगा या सचमुच संयुक्त राष्ट्र सुधार की दिशा में ठोस कदम उठाएगा.

जीएसटी दरों में कटौती से किसानों को बड़ी राहत

प्रोफेसर मनोज तिवारी
निदेशक, आईआईएम मुंबई

भारत सरकार ने खेती से जुड़े उपकरणों, उर्वरकों और अन्य कृषि उत्पादों पर जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) की दरों में महत्वपूर्ण कमी की है. इस निर्णय से देशभर के करोड़ों किसानों को सीधी आर्थिक राहत मिलेगी. अनुमान है कि किसानों की सालाना करीब 60,000 करोड़ रुपये तक की बचत होगी.आईआईएम मुंबई के अनुसार जीएसटी में बदलाव का एक बड़ा असर जहां कंस्यूमर गुडस और आटो सेक्टर में देखने मिलेगा वहीं इससे खेती किसानी में भी बड़ी राहत मिलेगी ..इससे देश की अर्थव्यवस्था में तेजी देखने मिलेगी .

भारत सरकार का हाल ही में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों को तर्कसंगत बनाने का निर्णय देश के कृषि क्षेत्र के लिए एक बड़ा कदम साबित हुआ है. खेती से जुड़े उपकरणों, मशीनरी और उर्वरकों पर कर में कटौती से करोड़ों किसानों को सीधी आर्थिक राहत मिलेगी.

ट्रैक्टर और स्पेयर पार्ट्स पर राहत सबसे बड़ा बदलाव ट्रैक्टर और उसके पुर्जों की टैक्सेशन में हुआ है-

- 45 हॉर्सपावर का ट्रैक्टर खरीदने वाले किसान को अब लगभग ?47,000 की सीधी बचत होगी.
- ट्रैक्टर टायर, जिन पर पहले 18% जीएसटी लगता था, अब केवल 5% पर उपलब्ध होंगे.
- स्पेयर पार्ट्स पर जीएसटी 28% से घटाकर 18% कर दिया गया है, जिससे मरम्मत और रखरखाव की लागत कम होगी.

इससे मशीनीकृत खेती किसानों के लिए सस्ती होगी और उनकी उत्पादकता में दीर्घकालिक बढ़ोतरी की उम्मीद है.

सस्ते हुए कृषि उपकरण- यह सुधार सिर्फ ट्रैक्टर तक सीमित नहीं है-

- लगभग 2 लाख कीमत वाले रोटावेटर पर अब करीब ?14,000 की बचत होगी.
- कृषि ड्रोन, पंपिंग सेट और हार्वेस्टर जैसे आधुनिक उपकरण भी पहले की तुलना में सस्ते हो जाएंगे.

इससे किसानों को न केवल वित्तीय राहत मिलेगी बल्कि उन्हें नई तकनीक अपनाने का प्रोत्साहन भी मिलेगा, जो उत्पादन और दक्षता दोनों को बढ़ाएगा.

उर्वरक और बायो-इनपुट्स पर कम कर- सूक्ष्म पोषक तत्वों और बायो-फर्टिलाइज़र पर जीएसटी कम करना एक और बड़ा कदम है. इससे खेती की लगातार आने वाली लागत घटेगी और किसान प्राकृतिक व जैविक खेती की ओर बढ़ेंगे. इससे मिट्टी की सेहत बेहतर होगी और लंबे समय में पैदावार भी बढ़ेगी.

ग्रामीण अर्थव्यवस्था और आय में बढ़ोतरी- इन कदमों का समग्र प्रभाव दोतरफा होगा-

1. उत्पादन लागत घटने से किसानों के लाभांश में सुधार होगा.
2. सस्ते और आधुनिक उपकरणों तक पहुंच से तकनीक का उपयोग बढ़ेगा.

अप्रत्यक्ष रूप से यह सुधार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगा, रोजगार बढ़ाएगा और देश की विकास यात्रा में गति लाएगा.

जीएसटी सुधारों का व्यापक परिप्रेक्ष्य- यह सुधार सिर्फ कृषि तक सीमित नहीं है. 22 सितंबर 2025 से भारत 5% और 18% की दो-स्तरीय जीएसटी संरचना लागू हो गयी है , जबकि लक्जरी वस्तुओं पर 40% दर बनी रहेगी. इसका उद्देश्य टैक्स प्रणाली को सरल बनाना, अनुपालन लागत घटाना और कारोबार करने की सुविधा बढ़ाना है. भारत की अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था औपनिवेशिक काल के उत्पाद शुल्क से शुरू होकर वैट और 2017 में जीएसटी तक पहुंची. प्रारंभिक चुनौतियों के बावजूद जीएसटी ने एकीकृत, डिजिटल-प्रथम कर ढांचा दिया. ताज़ा सुधार उसी यात्रा का अगला चरण है—जो कर प्रणाली को और सरल, न्यायसंगत और प्रभावी बनाएगा.

हालांकि सरकार को अल्पावधि में करीब ?48,000 करोड़ का राजस्व नुकसान होगा, लेकिन करदाताओं की संख्या और खपत बढ़ने से इसकी भरपाई की उम्मीद है. जीएसटी संग्रह पहले ही 2017-18 के 82,000 करोड़ से बढ़कर 2025 में 2.04 लाख करोड़ से ऊपर पहुंच चुका है.

निष्कर्ष- खेती से जुड़े उपकरणों और इनपुट्स पर जीएसटी दरों में कटौती किसानों के पक्ष में निर्णायक सुधार है.

> **आंकड़ों से आगे का सुधार**
>
> जीएसटी में यह बड़ा बदलाव केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है ; यह प्राथमिकताओं का भी संकेत है. खेती के उपकरणों, उर्वरकों और जीवनरक्षक दवाओं जैसी आवश्यक वस्तुएं सस्ती करके सरकार ने स्पष्ट संदेश दिया है कि कर प्रणाली समावेशी विकास की दिशा में काम करेगी . भारत के किसान, जो अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, उनके लिए यह सुधार वास्तविक और ठोस लाभ लेकर आया है . कम लागत, बेहतर तकनीक और बढ़ी हुई आय से न केवल उनकी आजीविका सुधरेगी बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी .

विंध्य की डायरी

प्रतिमा अनावरण के बाद विंध्य में राजनैतिक सरगर्मी

डॉ रवि तिवारी

आमतौर पर चुनाव के समय विन्ध्य में राजनैतिक सरगर्मी अपना असर दिखाती हैं, लेकिन इस बार दादा श्रीनिवास तिवारी के जन्म शताब्दी के अवसर पर कांग्रेसियों की जुडने वाली भीड़ और नेताओं के जमावड़े ने सुप्त पड़े कांग्रेसियों को सक्रिय कर दिया है. राजनैतिक दृष्टि से उर्वर विन्ध्य में अब पहले जैसा माहौल नही रहा. चौक-चौराहों से लेकर पान और चाय ठेलों में लगने वाले मजमे और उसमें होने वाली राजनैतिक बहसों का जमाना अब रवाना हो गया है. सत्ता और विपक्ष को लेकर दो फाँक नजर आने वाला गठबंधन अब घरों, हालों और बैठकों तक सीमित रह गया है. लोग अब आपस में विचार साझा करने से बचने लगे हैं. राजनीति से सीधा नाता रखने वाले लोग भी नीतियों पर चर्चा के बजाय उन बातों को लेकर ज्यादा गम्भीर रहते हैं जो उन्हें उनकी पार्टी ने एजेंडे के रूप में आगे बढ़ाने के लिए सौपी है. पहले विन्ध्य में नेताओं के सामने आमजन खुलकर अपनी बात रखते थे अब उसमें भी पहले जैसी धार नही रही. इस माहौल में विन्ध्य नायक दादा श्रीनिवास तिवारी की रीवा शहर में आदमकद प्रतिमा लगना जहाँ काग्रेस के लिए बड़ी उपलब्धि है, वही सत्ताधारी दल के नेताओं के बीच चर्चा का विषय है. हालांकि प्रतिमा स्थापन का विरोध कर राजनीति में सक्रिय एक धड़े को संतुष्ट कराने की पूरी कोशिश की गई.इसके बावजूद दादा नही दउ आया का नारा एक बार फिर चरितार्थ हो गया.आयोजन में विन्ध्य समेत प्रदेश स्तर के वरिष्ठ नेताओं के जमावड़े ने कुछ हद तक पार्टी की अंदरूनी गुटबाजी से उसे उबरने का प्रयास किया है. संगठन सृजन अभियान के बाद चयनित पदाधिकारियों के लिए यह आयोजन विन्ध्य में बड़ा कार्यक्रम था जिसे सफल बनाने में सभी ने अपनी ताकत लगाई.पार्टी को निराशा के वातावरण से उबरने का अवसर मिला.

कार्यक्रम में नहीं गए

राजनीति में हर छोटे बड़े घटनाक्रम के मायने निकलने की परंपरा पुरानी है. कई बार कुछ कयास कल्पना के अनुरूप होते हैं तो कुछ बाद में आधारहीन साबित हो जाते हैं. उदाहरण के तौर पर त्योंथर में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल और गिरीश गौतम का न जाना कुछ तबको में चर्चा का विषय बना हुआ है. यह बात अलग है कि त्योंथर विधायक सिद्धार्थ तिवारी लंबे समय से इस प्रयास में लगे थे मुख्यमंत्री डॉ यादव उनके क्षेत्र में किसी न किसी कार्यक्रम में जरूर उपस्थित हो पिछली बार उनकी कोशिश मौसम के चलते कामयाब नही हो सकी. बाद में मुख्यमंत्री को जबलपुर से ही वर्चुअली शामिल होना पड़ा.

> **विन्ध्य के नेताओं को राजनैतिक नियुक्ति का इंतजार**
>
> संगठन और सत्ता को लेकर प्रदेश स्तर पर चल रही चर्चो में अब यह लगने लगा है कि जल्द ही राजनैतिक नियुक्तियों का दौर शुरू होगा .जिसका विन्ध्य के कई दिग्गज सत्ताधारी दल के नेताओ को इंतजार था . उम्मीद है कि दशहरा के बाद या उसके पहले नामो की घोषणा कर दी जाएगी, सूची पर लगभग सहमति बन चुकी है . अब देखना यह है कि विंध्य के नेताओं को अवसर मिलता है या फिर नही .

एआईमॉडल किफायती बनाने की चुनौती

स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय की नवीनतम मानव केंद्रित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इंडेक्स रिपोर्ट में इस बात की पुष्टि की गई है कि एआई के क्षेत्र में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है . उसकी बुनियाद मजबूत है . इसके बावजूद निजी निवेश, पेटेंट आउटपुट तथा शोध पत्रों के मामले में वह पीछे चल रहा है . बुनियादी ढांचे की सीमाएं, नीतिगत अवरोध तथा लागू करने की चुनौतियां उसके सामने हैं . देश के आर्थिक विकास में तेजी लाने के लिए इस तरह की न्यूनताओं को दूर करना होगा . सेमीकंडक्टर निर्माण की क्षमता में वृद्धि आवश्यक है . डेटा प्राइवेसी की चुनौती को लेकर भी चिंताएं हैं . भारत का एआई इकोसिस्टम विकसित हो रहा है . इसकी आधारभूत संरचना में निवेश को बढ़ाने तथा देश की विशाल आबादी एवं विविधतापूर्ण सामाजिक-आर्थिक ढांचे के लिए एआई का मजबूत नैतिक संचालन तंत्र विकसित करना होगा . स्टैनफोर्ड रिपोर्ट ने कहा है कि यदि भारत के उद्योग एआई अपनाएं तो भारत के विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य को 2035 तक हासिल किया जा सकता है लेकिन कंपनियां इस दिशा में प्रयोग और नवोन्मेष करने के प्रति अनिच्छुक बनी हुई हैं . भारत की आईटी सेवाएं इसके लिए धुरी का काम कर सकती हैं . आईटी क्षेत्र में 60 लाख पेशेवर युवा कार्यरत हैं तथा यह देश की जीडीपी में 7 प्रतिशत का योगदान करता है . भारत के कुल निर्यात में इसकी एक चौथाई भागीदारी है . देश की भाषाई विविधता एआई के विकास व उपयोग के लिए एक चुनौती और अवसर प्रदान करती है . भारत में 22 अधिकृत भाषाएं तथा सैकड़ों बोलियां हैं . इनके लिए एआई मॉडल तैयार किए जा सकते हैं . विशेषज्ञों के प्रयासों से भारत एआई के क्षेत्र में ग्लोबल हब बन सकता है . सरकार की नीतियां भी एआई को प्रोत्साहन देने वाली हैं . 1 अरब 40 करोड़ भारतीयों के लिए एआई को किफायती, बहुभाषी और पहुंच के भीतर बनाना होगा . समूची दुनिया एआई क्रांति के दौर में है . यह देश की तेजी से प्रगति में सहायक हो सकती है . जरूरत इस बात की है कि उद्योग, शिक्षा, विधि, कृषि तथा अवसंरचना क्षेत्र एआई मॉडल को शीघ्रता से अपनाएं .

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

आजम खान की जेल से रिहाई यूपी की सियासत गरमाई

पड़ोसी ने हमसे कहा, निशानेबाज, मनुष्यों के पूर्वज को अलग-अलग नाम दिए गए हैं जैसे कि मनु को हिंदू अपना सर्वप्रथम पूर्वज मानते हैं वहीं ईसाई एडम और ईव को तथा मुस्लिम आदम और हौवा को अपना पुरखा मानते हैं.

हमने कहा, बाबा आदम के जमाने की बात करने की बजाय आजम खान को देखिए जो सीतापुर जेल से 23 महीने बाद रिहा हुए हैं. एक ऐसा नेता जिसका मुलायमसिंह यादव के जमाने में यूपी में भारी दबदबा था, जेल जाने को मजबूर हुआ. योगी के राज में आजम खान को कारावास का योगायोग भोगना पड़ा. अपनी दुर्दशा या गम की घड़ियों में वह गा रहे होंगे-वक्त ने किया क्या हंसी सितम, हम रहे हम, तुम रहे न तुम ! तकदीर का फसाना जाकर किसे सुनाएं, इस दिल में जल रही हैं अरमान की चिताएं ! कोई हमदम न रहा, कोई सहारा न रहा, हम किसी के न रहे, कोई हमारा न रहा !

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, एक समय वह भी था जब आजम खान चाहे जिसकी जमीन, प्रॉपर्टी यहां तक कि बीयर बार भी हड़प लेते थे. उनकी भैंसें गुम हुई थीं तो सारी यूपी पुलिस खोजने में लग गई थी. आजम खान मुलायम सिंह की नाक के बाल थे. तब यदि कोई व्यक्ति किसी यादव या मुस्लिम के खिलाफ रिपोर्ट लिखाने थाने गया तो शिकायत सुनना तो दूर, पुलिस वाले उसे बुरी तरह डांटकर भगा देते थे. तब आजम खान का दावा था कि उनके पसीने से गुलाब की महक आती है. अपनी रिहाई के बाद आजम खान ने मेहदी हसन की गजल के शब्द दोहराते हुए कहा, पत्ता-पत्ता, बूटा-बूटा हाल हमारा जानेगा. राजनीति में वापसी के सवाल पर कहा कि अभी तो अपना इलाज कराएंगे, सेहत ठीक करेंगे. इसके बाद सोचेंगे कि क्या करना है.

हमने कहा, आजम खान की बजाय आप के. आसिफ की 1960 में प्रदर्शित ब्लॉकबस्टर फिल्म मुगल-ए-आजम को याद कीजिए. उसमें पृथ्वीराज कपूर मुगल-ए-आजम यानी कि बादशाह अकबर बने थे. दिलीप कुमार ने शहजादा सलीम की और मधुबाला ने अनारकली की भूमिका निभाई थी. उस फिल्म के जबरदस्त डायलॉग तब लोगों की जुबान पर चढ़ गए थे. उसमें अनारकली शहंशाह अकबर को चुनौती देते हुए गाती है- प्यार किया तो डरना क्या !

पड़ोसी ने कहा, आजम खान भी अब बेशर्मी से कहेंगे जेल गए तो शरमाना क्या !

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12033

- डॉ. सागर खादीवाला

1		2	3		■	4	
	■	5		■	6		■
7	8		■	9			10
11		■	12	■		■	
■	13	14		15	■	16	
17	■		■	18			
19	20		21		■		■
22		■		■	23		

बाएं से दाएं

1. समुद्र स्थित अग्नि (सं) 4. चोरी करने के लिए दीवार तोड़कर बनाया हुआ छेद 5. महादेव, प्रत्येक 6. मदार, अकबन 7. पुष्प, कुसुम 9. बहन का संबंध 11. शतरंज का एक मोहरा जिसे ऊंट कहते हैं 13. नामजद, प्रसिद्ध 16. मिकदार, परिमाण 18. हटाना, दूर करना (सं) 19. फिल्म-नाटक आदि में दुष्ट पात्र की भूमिका करने वाला 22. डोरी, रज्जु 23. कांटा, विघ्न

ऊपर से नीचे

1. एक दैत्य का नाम जिसे शिवजी का वरदान प्राप्त था कि वह जिस पर हाथ रख दे वह भस्म हो जाएगा 2. सवारी या माल ढोले की गाड़ी या जानवर 3. पुरुष, मर्द, पुरुष जाति का 4. आग या उसके सामने रखकर गर्मी पहुंचाना 6. घायल, दुखी, चोट खाया हुआ 8. किसी तरल पदार्थ को लकड़ी-रई आदि से बिलोना 10. चप्पल, पादुका (सं.) 12. जिससे, इसलिए कि (उर्दू) 14. साफ करना, परिमार्जित करना 15. जरा, थोड़ा, अल्प 16. लड़ाई-झगड़ा, हाथापाई, शारीरिक चोट पहुंचाना 17. तीक्ष्ण, पैना, धारदार 20. दही से बना पेय पदार्थ 21. अगर, जो

Solution 12032

म	हा	वी	र	च	क्र	■	ची
ह	क	■	का	■	म	ला	ल
त्व	■	अ	ब	ला	■	ल	■
पू	र्णि	मा	■	मा	ल	कि	न
र्ण	■	व	क्र	■	स	ला	म
■	अ	स	म	त	ल	■	स्का
उ	ग्र	■	श:	■	सा	भा	र
प	ज	र	■	चु	ना	व	■

ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में नई योजनाओं का शुभारंभ होगा, सांसारिक सुखों की वृद्धि होगी, वर्ष के मध्य में पारिवारिक सुख अच्छा रहेगा, व्यापार व्यवसाय में सुधार होगा, वर्ष के मध्य में पारिवारिक सुख अच्छा रहेगा, व्यापार में सुधार होगा, वर्ष के अन्त में उतावलीपन में लिये गये निर्णय से हानि होगी, शत्रु पक्ष प्रबल रहेगा, अत्याधिक परिश्रम से मन व्यथित रहेगा.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को शत्रु पक्ष प्रबल रहेगा, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को अत्याधिक परिश्रम से मन दुखी होगा, कर्क और सिंह राशि केव्यक्तियों को उतावलेपन में लिये गये निर्णय में सुधार होगा, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को कार्यो में वृद्धि होगी, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को पारिवारिक जीवन में सफ्लता मिलेगी, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों कोसावधानी पूर्वक कार्यो में लगना होगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिये बालक का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा. बालक सुन्दर सुशील मिलनसार होगा. बाग बगीचों भूमि भवन मकानआदि का अच्छा सुख प्राप्त करेगा. कृषि एवं व्यवसाय दोनों क्षेत्रों में उन्नति करेगा. योजनाबद्ध तरीके से काम करेगा. न्यायप्रिय होगा.

मेष- अधिकार के क्षेत्र में वृद्धि होगी. नवीन योजनाओं में खर्च अधिक होगा. संतान आदि के कार्य में सफ्लता, कारोबारी यात्रा होगी.

वृषभ- दूसरों पर अत्याधिक विश्वास करना नुकसानदायक रहेगा. धन प्राप्ति के मार्ग सामने आयेंगे, भावनात्मक संबंधों में मधुरता बढ़ेगी.

मिथुन- भाग्यवर्धक शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी. स्वास्थ्य अच्छा रहेगा. आर्थिक एवं व्यवसायिक क्षेत्र में सफ्लता प्राप्त होगी. यश मिलेगा.

कर्क- मित्रों एवं निकट संबंधियों का कार्य बनने का योग है. स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी. तीखी बातें करने से अपनों को नाराज कर लेंगे.

सिंह- उदर एवं विकार, रक्त विकार आदि से पीड़ा हो सकती है. सोच विचार कर निर्णय लेना हितकर रहेगा. कानूनी मामलों में धैर्य से काम लें.

कन्या- कोर्ट कचहरी आदि से संबंधित कार्य बनने का योग है. स्वास्थ्य चिन्ता रह सकती है. धार्मिक आयोजनों में शामिल होने से खुशी होगी.

तुला- पारिवारिक जीवन में सुख एवं आनन्द रहेगा. पद की प्राप्ति होगी. अधिकारियों से मेल तरक्की में सहायक होगा. साहसिक प्रयासों में यश मिलेगा.

वृश्चिक- नये संबंधों में लाभ होगा. स्वास्थ्य में सुधार होगा, प्रिय संदेश प्राप्त होगा. यश मिलेगा. आजीविका के संबंधों में सफ्लता मिलेगी.

धनु- कोर्ट कचहरी आदि के कार्यो में सफ्लता प्राप्त होगी. अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा. यात्रा आदि में उठाईगीरों से सावधानी रखें.

मकर- अचानक खर्च आ सकता है. पारिवारिक विवाद से पीड़ा होगी. दूर गये मित्र के संबंध में शुभ समाचार मिल सकता है. मान सम्मान बढ़ेगा.

कुम्भ- नवीन मित्रों का समागम होगा महत्वपूर्ण कार्यो पर विचार होगा. व्ययभार की अधिकता रह सकती है. मान सम्मान में वृद्धि होगी.

मीन- राजनैतिक क्षेत्र में विस्तार होगा. नौकर चाकरों तथा सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा. निजी दायित्वों की पूर्ति होगी. व्यर्थ के विवादों से बचें.

उदयकालीन ग्रह चाल

पंचांग

रा.मि. 04 संवत् 2082 आश्विन शुक्ल चतुर्थी भृगुवासरे प्रात: 6/40, विशाखा नक्षत्रे रात 8/33, विष्कुम्भ योगे रात 10/29, विष्टि करणे सू.उ. 6/2, सू.अ. 5/58, चन्द्रचार तुला दिन 1/54 से वृश्चिक, शु.रा. 7, 9,10,1,2,5 अ.रा. 8,11,12,3,4,6 शुभांक- 9,2,6.

व्यापार भविष्य

आश्विन शुक्ल चतुर्थी को विशाखा नक्षत्र के प्रभाव से चना, गुड़, खांड, गेहूँ, सरसों, तिल,तेल, अलसी, अरंडी, के भाव में मंदी होगी. पिपरमेंट के भाव में तेजी का रूख रहेगा. जौ, गेहूँ, चना, केभाव में मंदी होकर तेजी का योग है. भाग्यांक 1476 है.

SUDOKU 7165

				1			6	
					5			
2		3	9			8		
6							5	
			8		3			
	1							4
		7			1	3		9
			2					
	5			6				

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सु-दोकू 7164

7	6	8	2	1	9	3	4	5
2	1	5	6	3	4	8	7	9
3	4	9	5	7	8	6	1	2
5	7	4	8	6	1	9	2	3
9	2	1	3	4	5	7	8	6
8	3	6	7	9	2	1	5	4
1	5	3	4	8	5	2	9	7
4	9	7	1	2	3	5	6	8
6	8	2	9	5	7	4	3	1